ये अव्यक्त इशारे

अपवित्रता के बीज को भी समाप्त कर सम्पूर्ण स्वच्छ (पवित्र) बनो

4-08-2026

अगर बुद्धि में अशुद्ध संकल्प वा पुराने संस्कार संकल्प रूप में भी टच होते हैं तो सम्पूर्ण वैष्णव नहीं कहेंगे। जैसे कोई अकर्तव्य कार्य देखता भी है तो देखने का असर हो जाता है, उसका भी हिसाब बन जाता है। इस हिसाब से सोचो तो पुराने संस्कार व अशुद्ध संकल्प बुद्धि में अगर टच होते हैं तो भी सम्पूर्ण वैष्णव वा सम्पूर्ण पवित्र कैसे कहेंगे।

Finish the seed of impurity and become completely clean (pure).

If your intellect is even slightly touched by impure thoughts or old sanskars, you cannot be called a perfect Vaishnav. When you see someone doing something wrong, even seeing that has an effect of you, and an account would be created. Similarly, just think: If your intellect is even slightly touched by old sanskars or impure thoughts, you could not be called a perfect Vaishnav or completely pure.